Pt. Ravishankar Shukla University,
Raipur (C.G.), India 492010

CURRICULUM & Syllabus

M.A. - Hindi
(Annual Pattern)

पूर्व एवं अंतिम वर्ष

Session: 2025-27

Approved by :

Board of Studies : Hindi (Subject Name)

Dates : 17-05-2025

Name of Chairman : Dr. Kavita Vaishnav 17-05-25

Name of Member's : Dr. Chandrika Sahu 17-5-2025

Dr. Saraswati Verma 17/05/25

Dr. Girija shankar Gautam 17/5/25

एम. ए. पूर्व (हिंदी)
(2025 - 27)

एम.ए. हिंदी द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत एम.ए. पूर्व में पांच प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तकें और उनके निर्दिष्ट अंश व्याख्यापरक प्रश्नों के लिए हैं। समीक्षात्मक प्रश्न कृतिकार के संपूर्ण कृतित्व से संबंधित रहेंगे। द्रुतपाठ के लिए रचनाकार के कृतित्व से परिचित होना आवश्यक है। हिंदी साहित्य के विभिन्न कालखंडों, पद्य-गद्य विधाओं के अध्ययन से विद्यार्थी भारतीय सांस्कृतिक,ऐतिहासिक, साहित्यिक परिवर्तनों एवं भाषिक धरोहर से परिचित होंगे। छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य के अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकसंस्कृति, साहित्य, परंपरा और लोकजीवन की समझ विकसित करना है।

एम. ए. पूर्व (हिंदी) में निम्नलिखित पाँच प्रश्नपत्र होंगे :-

क्र.	प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	अंक	पेपर कोड
1	प्रथम	हिंदी साहित्य का इतिहास	100	0313
2	द्वितीय	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	100	0314
3	तृतीय	आधुनिक हिंदी काव्य	100	0315
4	चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य	100	0316
5	पंचम	छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य	100	0317

17-05-25
डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025   17/05/25   17/5/25

एम. ए. पूर्व (हिंदी)
प्रश्न पत्र - प्रथम
हिंदी साहित्य का इतिहास
(पेपर कोड 0313)

प्रस्तावना :-

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, फलतः साहित्यिक रूपों में भी बदलाव आ जाता है। इस बदली हुई विकास प्रक्रिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा परखा जा सकता है। हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोवेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है जिसकी गूंज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं, नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है।

पाठ्यक्रम :-

इकाई I - इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
हिंदी साहित्य के इतिहास का नामकरण और काल विभाजन।
आदिकाल का नामकरण, समयसीमा, पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियां, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएं। सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, अपभ्रंश साहित्य। आदिकालीन गद्य साहित्य।

इकाई II - पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल)

भक्तिकाल का नामकरण और समयसीमा, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, काव्यधाराएँ-निर्गुण और सगुण। सन्तकाव्य धारा- प्रवृत्तियां, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
सूफीकाव्य धारा- भारत में सूफी मत का विकास, प्रवृत्तियां, प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व।
रामभक्ति शाखा- प्रमुख प्रवृत्तियां, प्रतिनिधि कवि एवं उनकी रचनाएं। कृष्णभक्ति शाखा - प्रमुख प्रवृत्तियां, प्रतिनिधि कवि एवं उनकी रचनाएं। रामकृष्णेत्तर काव्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य।

इकाई III - उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल)

रीतिकाल का नामकरण और समयसीमा, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन काव्यधाराएँ - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त। प्रमुख प्रवृत्तियां, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य।

इकाई IV - आधुनिककाल

आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण, भारतेंदु युग प्रमुख साहित्यकार,रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ,द्विवेदी युग प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का परवर्ती विकास, छायावादी काव्य प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

17-05-25

17-5-2025

17/05/25

17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

इकाई V - उत्तर छायावादी काव्य

-प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।

-हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज, आदि) का विकास।

- हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।

-दक्खिनी हिंदी साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

-उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय।

-हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिंदी भाषा और साहित्य।

अंक विभाजन -

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

इकाई विभाजन -

इकाई I इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास एवं आदिकाल

इकाई II पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल) एवं उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल)

इकाई III आधुनिक काल एवं उत्तर छायावादी काव्य

इकाई IV लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न

संदर्भ-ग्रन्थ : -

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, हिन्दी पुस्तक केंद्र, नई दिल्ली,2019
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
3. हिंदी साहित्य का इतिहास, डॉ. नगेंद्र, डॉ. हरदयाल, मयूर पेपरबैक्स प्रकाशन, दिल्ली,2021
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017
5. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन,दिल्ली,1990
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 2008
7. हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी, नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 2019
8. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, कृष्ण शंकर शुक्ल, हिंदी साहित्य कुटीर, बनारस,1991
9. आधुनिक हिन्दी कविता, कमला प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2017
10. हिंदी रीति साहित्य, भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1999
11. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1953

17-05-25 17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

एम. ए. पूर्व (हिंदी)
प्रश्नपत्र - द्वितीय
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
(पेपर कोड 0314)

प्रस्तावना :-

हिंदी का आदिकालीन काव्य अपनी पृष्ठभूमि में अपभ्रंश के आलेखन को पूरी तरह समेटे हुए है। प्रबंध, मुक्तक आदि काव्य रूपों में रचित और अपभ्रंश एवं देशी भाषा में अभिव्यंजित आदिकालीन साहित्य ने परवर्ती कालों को प्रभावित करने में सक्रिय एवं सक्षम भूमिका निभाई है। मध्यकालीन हिंदी काव्य में तत्कालीन समाज, धर्म, राजनीति और संस्कृति की झलक मिलती है। इस युग का काव्य लोकभाषा में रचा गया और जनमानस की गहरी संवेदनाओं को अभिव्यक्त करता है। मध्यकालीन हिंदी काव्य साहित्यिक शिल्प, सौंदर्यबोध, भारतीय जीवन-दर्शन एवं आध्यात्मिकता को समझने में सहायक है।

पाठ्यक्रम :- व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित 7 कवियों का अध्ययन किया जाएगा

1. चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो, संपा. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं डॉ. नामवर सिंह (पद्मावती समय)

2.विद्यापति - विद्यापति पदावली, संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी (प्रारंभिक 1-20)

3. कबीरदास : कबीर ग्रंथावली, संपा. डॉ. श्यामसुंदर दास (50 साखियाँ एवं 25 पद)
साखियाँ : गुरुदेव कौ अंग 1 से 20, सुमिरण कौ अंग 1 से 10, विरह कौ अंग 1 से 10, ग्यान विरह कौ अंग 1 से 10
पद संख्या : 11, 16, 24, 26, 27, 40, 47, 49, 60, 64, 70, 72, 75, 89, 93, 98, 99, 100, 101, 103, 110, 111, 135, 267, 268

4. सूरदास : भ्रमरगीत सार, संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (50 पद)

5. मीराबाई : (संपा. विश्वनाथ त्रिपाठी) प्रारंभिक के 25 पद

6. तुलसीदास : रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड),गीता प्रेस, दोहा संख्या (51-120)

7. बिहारी : बिहारी रत्नाकर, संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)

द्रुतपाठ हेतु निम्नांकित 05 कवियों का अध्ययन किया जाएगा। इनमें से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे-
1. नन्ददास 2. केशवदास 3. रसखान 4. भूषण 5. पद्माकर

17-05-25 17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

अंक विभाजन :-

3 व्याख्या	3 X 10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

इकाई विभाजन -

इकाई I व्याख्या

इकाई II चंदबरदाई, विद्यापति, कबीरदास

इकाई III सूरदास, मीराबाई, तुलसीदास, बिहारी

इकाई IV द्रुतपाठ के कवि

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न

संदर्भ ग्रंथ :-

1. चंदबरदाई, डॉ. सुमन राजे,उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ 2019
2. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, नामवर सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली-2022
3. कबीर ग्रंथावली, संपा. डॉ. श्याम सुंदर दास, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली,2019
4. कबीर, संपा. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019
5. भ्रमरगीत सार, सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली, 2022
6. रसखान रचनावली, राजेंद्र पंडित, डायमंड पॉकेट बुक्स , दिल्ली, 2017
7. विद्यापति पदावली, रामवृक्ष बेनीपुरी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली,2020
8. मीरा का काव्य,विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2010
9. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2018
10. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास, रामविलास शर्मा, साहित्य अकादमी, 2007
11. रामचरितमानस, तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर, 2021
12. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2012
13. बिहारी रत्नाकर, सं० जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

एम. ए. पूर्व (हिंदी)
प्रश्नपत्र - तृतीय
आधुनिक हिंदी काव्य
(पेपर कोड 0315)

प्रस्तावना :-

आधुनिक हिंदी काव्य पुनर्नवा के रूप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं। उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हो गए। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार इसमें अभिव्यक्त हुए हैं। सामान्य मनुष्य इसमें अभिव्यंजित हुआ है। विविध धाराओं में प्रवाहमान आधुनिक हिंदी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अजस्र स्रोत है।

पाठ्यक्रम :- इस प्रश्न पत्र में व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित 8 कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

1. मैथिलीशरण गुप्त - साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद - कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, लज्जा, इड़ा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता
4. सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन, नौका विहार
5. महादेवी वर्मा - प्रिय सांध्य गगन, मैं नीर भरी दुःख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला, टूट गया वह निर्मम दर्पण
6. अज्ञेय - नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, सोन मछली, आंगन के पार द्वार, कितनी नावों में कितनी बार
7. मुक्तिबोध - अंधेरे में
8. नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है, सिंदूर तिलकित भाल, बसन्त की अगवानी, कोयल आज बोली है, अकाल और उसके बाद, शासन की बन्दूक

द्रुतपाठ हेतु निम्नांकित 05 कवियों का अध्ययन किया जाएगा। इनमें से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे-
1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
2. माखनलाल चतुर्वेदी
3. केदारनाथ अग्रवाल
4. भवानी प्रसाद मिश्र
5. धूमिल

17-05-25 17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

अंक विभाजन :-

3 व्याख्या	3 X 10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
	कुल	100 अंक

इकाई विभाजन -

इकाई I व्याख्या

इकाई II गुप्त, प्रसाद, निराला व पंत

इकाई III महादेवी वर्मा, अज्ञेय, मुक्तिबोध व नागार्जुन

इकाई IV द्रुतपाठ के कवि

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न

संदर्भ ग्रंथ :-

1. साकेत, मैथिलीशरण गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
2. साकेत एक अध्ययन, डॉ. नगेन्द्र, साहित्य रत्न भंडार, आगरा, 1940
3. कवि निराला - आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली, 2020
4. निराला की साहित्य साधना, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990
5. कामायनी एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
6. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
7. कामायनी, जयशंकर प्रसाद, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 2015
8. नागार्जुन का रचना संसार, विजय बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2014
9. अज्ञेय का काव्य, प्रणय कृष्ण, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
10. कवि अज्ञेय, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016
11. हिंदी की प्रगतिशील कविता, लल्लन राय, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला, 1989
12. केदारनाथ अग्रवाल संचयन, सं. कैलाश वाजपेयी, अशोक त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2015

17-05-25 17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

एम. ए. पूर्व (हिंदी)
प्रश्नपत्र - चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य
(पेपर कोड 0316)

प्रस्तावना :-

आधुनिक काल में गद्य-साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव-मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग-विराग, तर्क-वितर्क तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है वैसा अन्य विधा में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़ मन-मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध, नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन की विकास प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यक्रम :-

नाटक -

1. स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद
2. आधे अधूरे - मोहन राकेश

उपन्यास -

1. गोदान - प्रेमचंद
2. बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारी प्रसाद द्विवेदी

निबंध -

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल - क्रोध
2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी - भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति
3. रामवृक्ष बेनीपुरी - माटी की मूरतें
4. कुबेरनाथ राय - हरी-हरी दूब और लाचार क्रोध
5. सरदार पूर्ण सिंह - मजदूरी और प्रेम

कहानी-

1. चन्द्रघर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था
2. जयशंकर प्रसाद - आकाशदीप
3. प्रेमचंद - ईदगाह
4. उषा प्रियंवदा - वापसी
5. भीष्म साहनी - अमृतसर आ गया है

चरितात्मक कथा-

विष्णु प्रभाकर - आवारा मसीहा।

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

द्रुतपाठ हेतु गद्य विधाओं के रचनाकार। इनमें से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे-

नाटककार - 1.भारतेन्दु हरिश्चन्द्र 2.भुवनेश्वर 3.जगदीशचन्द्र माथुर

उपन्यासकार - 1.यशपाल 2.अमृतलाल नागर 3.मन्नू भण्डारी

निबंधकार - 1. प्रतापनारायण मिश्र 2. महावीर प्रसाद द्विवेदी 3. बालमुकुन्द गुप्त

कहानीकार - 1. पांडेय बेचन शर्मा उग्र 2. रांगेय राघव 3. फणीश्वरनाथ रेणु

स्फुट ग्रंथ - 1. हरिवंशराय बच्चन (क्या भूलूँ क्या याद करूँ) 2.महादेवी वर्मा (संस्मरण कोई 3)

अंक विभाजन :-

3 व्याख्या	3 X 10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
	कुल	100 अंक

इकाई विभाजन -

इकाई I व्याख्या

इकाई II स्कंदगुप्त, आधे-अधूरे, गोदान, बाणभट्ट की आत्मकथा

इकाई III निबंध, कहानी, चरितात्मक कथा

इकाई IV द्रुतपाठ के रचनाकार

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न

संदर्भ ग्रंथ :-

1. स्कंदगुप्त, जयशंकर प्रसाद; सुमित्रा प्रकाशन, इलाहाबाद, 2018
2. हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 2014
3. आधे -अधूरे, मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2016
4. गोदान, प्रेमचंद, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019
5. गोदान नया परिप्रेक्ष्य, डॉ. गोपाल राय, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली, 2020
6. बाणभट्ट की आत्मकथा, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
7. कहानी : स्वरूप और संवेदना, राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2013
8. हिंदी कहानी परंपरा और प्रगति, डॉ. हरदयाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2012
9. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002
10. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, जगन्नाथ प्रसाद शर्मा,वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1997
11. हिंदी निबंध और निबंधकार, डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2013

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

एम. ए.पूर्व (हिंदी)
प्रश्नपत्र - पंचम
छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य
(पेपर कोड 0317)

प्रस्तावना-

हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभाषाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य सृजन किया जा रहा है। इस प्रश्नपत्र में छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य का अध्ययन लोकसंस्कृति की पहचान को सशक्त करने के लिए आवश्यक है। छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास, कविता, कहानी, नाटक, एकांकी, उपन्यास आदि का अध्ययन विद्यार्थियों में साहित्यिक अभिरुचि और सृजनात्मकता विकसित करने के साथ-साथ क्षेत्रीय साहित्यकारों के योगदान को जानने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पाठ्यक्रम :-

1. अ. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण - (भौगोलिक सीमा, नामकरण, भाषा का इतिहास, व्याकरण के अंग-उपांग)
ब. छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियाँ एवं इतिहास।

2. छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि
(1) पं.सुंदरलाल शर्मा (2) मुकुटधर पाण्डेय (3) द्वारिका प्रसाद मिश्र (4) कुंज बिहारी चौबे
(5) कपिलनाथ कश्यप (6) श्यामलाल चतुर्वेदी (7) गिरिवर दास वैष्णव (8) हरि ठाकुर
(9) नारायण लाल परमार (10) डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा

3. छत्तीसगढ़ी गद्य एवं गद्यकार (व्याख्या एवं विवेचना)
(1) सतवंतिन सुकवारा (श्यामलाल चतुर्वेदी)
(2) सुवा हमर संगवारी (लखनलाल गुप्त)
(3) गोरसी के गोठ (डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा)
(4) आंसू म फिले अचरा (केयूर भूषण)
(5) कउंवा, कबूतर अऊ मनखे (परमानंद वर्मा)
(6) गाय न गरू, सुख होय हरू (लक्ष्मण मस्तुरिहा)
(7) फिरंतिन मौसी दाई (शिवशंकर शुक्ल)

4. छत्तीसगढ़ी नाटक एवं एकांकी (व्याख्या एवं विवेचना)
(1) करमछड़हा (नाटक) डॉ. खूबचंद बघेल
(2) परेमा (एकांकी) नन्दकिशोर तिवारी
(3) सउत के डर (एकांकी) टिकेन्द्र टिकरिहा

17-05-25

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

5. उपन्यास (व्याख्या एवं विवेचना)

(1) आवा - परदेशी राम वर्मा (2) माटी के मितान - सरला शर्मा

द्रुतपाठ के लिए निम्नांकित कवियों का अध्ययन किया जाएगा। इनमें से लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे-

(1) नरसिंह दास (2) शुकलाल प्रसाद पाण्डेय (3) लोचन प्रसाद पाण्डेय (4) कपिलनाथ मिश्र

(5) प्यारेलाल गुप्त (6) लाला जगदलपुरी (7) लखनलाल (8) डॉ. बलदेव (9) दानेश्वर शर्मा

(10) पवन दीवान (11) कोदूराम दलित (12) जीवन यदु (13) ऊधोराम झकमार (14) बद्रीविशाल परमानन्द

अंक विभाजन :-

3 व्याख्या	3 X 10	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2 X 15	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
	कुल	100 अंक

इकाई विभाजन :-

इकाई I व्याख्या

इकाई II छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण, छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियाँ एवं इतिहास, छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि, छत्तीसगढ़ी गद्य एवं गद्यकार

इकाई III छत्तीसगढ़ी नाटक एवं एकांकी, उपन्यास

इकाई IV द्रुतपाठ के रचनाकार

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न

संदर्भ ग्रंथ :-

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्विकास, डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी, रायपुर, 2009
2. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश, चंद्रकुमार चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी, रायपुर, 2008
3. आवा (छत्तीसगढ़ी उपन्यास), परदेशीराम वर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2019
4. छत्तीसगढ़ लोकसंस्कृति, कला और साहित्य, प्रकाश मनु, डॉ० सुनीता, डायमंड बुक्स, दिल्ली, 2012
5. छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियाँ और जनजीवन, डॉ. अनसूया अग्रवाल, भावना प्रकाशन, दिल्ली, 2001
6. छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य - डॉ सत्यभामा आड़िल, विकल्प प्रकाशन, रायपुर 2003
7. प्रयोजनमूलक छत्तीसगढ़ी, डॉ. सुधीर शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2017
8. छत्तीसगढ़ी लोकगाथा समग्र, डॉ. विजय कुमार सिन्हा, भावना प्रकाशन, दिल्ली, 2020
9. छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण और कोश, डॉ. कांतिकुमार जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1969
10. छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. शंकर शेष, छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रंथ अकादमी, रायपुर, 2012

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

एम.ए.अंतिम (हिंदी)
(2025 - 2027)

एम.ए. हिंदी द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत एम. ए. अंतिम में पांच प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, साहित्यालोचन, भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा, प्रयोजनमूलक हिंदी, भारतीय साहित्य, पत्रकारिता प्रशिक्षण का अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है। अतः विद्यार्थियों को युगानुरूप हिंदी के विविध व्यावसायिक रूपों का भी अध्ययन करना होगा। इन सभी विषयों के अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा, साहित्य और संचार के विभिन्न पहलुओं में दक्ष बनाना है जिससे वे शिक्षण, शोध, अनुवाद, मीडिया, प्रशासन और लेखन आदि क्षेत्रों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

एम.ए. अंतिम (हिंदी) में निम्नलिखित प्रश्न पत्र होंगे :-

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक	पेपर कोड
1	षष्ठ	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	100	0318
2	सप्तम	भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा	100	0319
3	अष्टम	प्रयोजनमूलक हिंदी	100	0320
4	नवम्	भारतीय साहित्य	100	0321
5	दशम	पत्रकारिता प्रशिक्षण	100	0322

17-05-25

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

एम.ए.अंतिम (हिंदी)
प्रश्नपत्र - षष्ठ
काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
(पेपर कोड 0318)

प्रस्तावना :-

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन के अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों में साहित्य की विभिन्न धाराओं, सिद्धांतों, सौंदर्यशास्त्र, रचनाओं के गूढ़ अर्थ, भाव, शैली और प्रभाव का विश्लेषण कर सृजनात्मकता और आलोचनात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और जाँचने-परखने के लिए काव्यशास्त्र तथा साहित्यालोचन का अध्ययन समीचीन है।

पाठ्यक्रम :-

इकाई I संस्कृत काव्यशास्त्र - काव्य-लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य की आत्मा। रस-सिद्धांत : रस के अंग, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा। अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति-सिद्धांत, ध्वनि-सिद्धांत, औचित्य सिद्धांत।

इकाई II पाश्चात्य काव्यशास्त्र - प्लेटो : काव्य सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन का सिद्धांत। लोंजाइनस: उदात्त की अवधारणा, मैथ्यू ऑर्नल्ड :आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य, कला की अवधारणा। आई.ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना। कॉलरिज: कल्पना सिद्धांत , टी. एस. इलियट : कला की निर्वैयक्तिकता।

इकाई III (क) हिंदी कवि, आचार्यों और समालोचकों का काव्यशास्त्रीय चिंतन, लक्षण काव्य परंपरा - केशवदास, देव, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. रामविलास शर्मा।

(ख) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ- शास्त्रीय, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक।

(ग) समकालीन हिंदी समालोचना, शिवदान सिंह चौहान, रामस्वरूप चतुर्वेदी, कृष्णदत्त पालीवाल, डॉ. नगेन्द्र।

इकाई IV सिद्धांत और वाद - अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद। नयी समीक्षा, मिथक, फन्तासी, कल्पना, बिंब एवं प्रतीक योजना।

17-05-25 17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

अंक विभाजन :-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

इकाई विभाजन :-

इकाई I संस्कृत काव्यशास्त्र

इकाई II पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई III हिंदी कवि, आचार्यों और समालोचकों का काव्यशास्त्रीय चिंतन, लक्षण काव्य परंपरा, हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, समकालीन हिंदी समालोचना, सिद्धांत और वाद

इकाई IV लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न

संदर्भ ग्रंथ :-

1.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन,दिल्ली, 2024

2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, इतिहास, सिद्धांत और वाद, डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2018

3. भारतीय काव्य शास्त्र के नये क्षितिज, डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,1985

4. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, ओरिएण्टल बुक डिपो, दिल्ली, 1905

5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, डॉ. निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1990

6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2018

7. नयी समीक्षा, अमृतराय, हिन्दुस्तानी पब्लिशिंग हाउस, बनारस, 1950

8. नयी समीक्षा, नये संदर्भ, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 1974

9. साहित्य सिद्धांत, डॉ. रामअवध द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना 1963

10.आलोचना से आगे, सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2019

11. हिन्दी आलोचना के नए सरोकार, कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

एम. ए. अंतिम (हिंदी)
प्रश्नपत्र - सप्तम
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
(पेपर कोड 0319)

प्रस्तावना :-

साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा-विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर इनके अंतःसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। मूल भाषा व्यवस्था पर आरोपित द्वितीय साहित्यिक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति प्राचीन भारतीय एवं अधुनातन पाश्चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से लक्षणीय है। भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास क्रम, भौगोलिक विस्तार, स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर सुविधा विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है।

पाठ्यक्रम :-

(क) भाषा विज्ञान

1. भाषा और भाषाविज्ञान- भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
2. स्वनप्रक्रिया- स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वनों का वर्गीकरण, स्वनिम परिवर्तन।
3. व्याकरण- रूपविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद- मुक्त, आबद्ध और संबंधदर्शी रूपिम, प्रकार्य । वाक्य अवधारणा, वाक्य भेद, वाक्य विश्लेषण।
4. अर्थविज्ञान- अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ संबंध, अर्थ-परिवर्तन।

(ख) हिंदी भाषा

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ- वैदिक और लौकिक संस्कृत एवं उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश एवं उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषा समूह और उनका वर्गीकरण।
2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी, और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।
3. हिंदी का भाषिक स्वरूप- हिंदी शब्द रचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना, लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी की संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिंदी काव्य रचना-पदक्रम और अन्विति।

17-05-25   17-5-2025   17/05/25   17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

4. हिंदी के विविध रूप - संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम-भाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति।
5. हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ - आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा शिक्षण।
6. देवनागरी लिपि- विशेषताएँ और मानकीकरण।

अंक विभाजन :-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

इकाई विभाजन :-

इकाई I भाषा और भाषाविज्ञान, स्वन-प्रक्रिया, व्याकरण, अर्थविज्ञान।

इकाई II हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी का भाषिक स्वरूप।

इकाई III हिंदी के विविध रूप, हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ, देवनागरी लिपि।

इकाई IV लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न

संदर्भ ग्रंथ :-

1. भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 2018
2. भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा और लिपि, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 2024
3. आधुनिक भाषा विज्ञान, कृपाशंकर सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1977
4. भाषा, साहित्य और इतिहास का पुनर्पाठ, राजेंद्र प्रसाद सिंह, सम्यक प्रकाशन, दिल्ली, 2021
5. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 2024
6. भाषा : संवेदना और सर्जन, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 2024
7. हिन्दी कम्प्यूटिंग, डॉ० राम गोपाल सिंह जादौन, आकाश पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, 2017
8. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2011
9. हिन्दी भाषा के विविध रूप, डॉ. पी. लता, लोकभारती प्रकाशन , दिल्ली, 2015
10. हिन्दी भाषा का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2020
11. हिंदी और उसकी विविध बोलियाँ, प्रो. दीपचंद जैन, डॉ.कैलाश तिवारी, मध्य प्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 2011

17-05-25 17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

एम. ए. अंतिम (हिंदी)
प्रश्नपत्र - अष्टम
प्रयोजनमूलक हिंदी
(पेपर कोड 0320)

प्रस्तावना:-

भाषा मानव जीवन की अनिवार्य सामाजिक वस्तु और व्यावहारिक चेतना है जिसके दो मुख्य आयाम या प्रकार्य हैं - सौन्दर्यपरक और प्रयोजनपरक। भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से है, व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस-टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होती है। उत्तर आधुनिक काल में जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों में उपयोग की जाने वाली प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन अति आवश्यक है। इसके विविध आयामों से रोजगार की समस्याएँ हल होंगी तथा राष्ट्रभाषा व राजभाषा का संस्कार भी दृढ़ होगा।

पाठ्यक्रम :-

इकाई I कामकाजी हिंदी एवं हिंदी कंप्यूटिंग

- हिंदी के विभिन्न रूप- सर्जनात्मक भाषा, संचार-भाषा, राजभाषा, माध्यम-भाषा, मातृभाषा। कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य, प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।
- पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत। ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द)
- कम्प्यूटर परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय। इंटरनेट संपर्क मितव्ययिता के सूत्र, उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट समय
- वेब-पब्लिशिंग। लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना प्राप्त करना, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग हिंदी साफ्टवेयर पैकेज।

इकाई II पत्रकारिता स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।

- हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व। प्रूफ शोधन सिद्धांत और व्यवहार शीर्षक की संरचना, लीड इंट्रो एवं शीर्षक संपादन, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
- प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

इकाई III मीडिया-लेखन

-जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।

-श्रव्य माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन,फीचर एवं रिपोतार्ज।

-दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य-सामग्री का सामंजस्य। पार्श्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन-टेली ड्रामा / डाक्यूमेन्ट्री ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा, इंटरनेट सामग्री-सृजन (Contect Creation)

17-05-25 17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

इकाई IV अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र प्रक्रिया एवं प्रविधि, हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि-साहित्य की हिंदी और अनुवाद, व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास। कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि प्रशासनिक पत्रों के अनुवाद, पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, बैंक-साहित्य एवं विधि- साहित्य के अनुवाद का अभ्यास, साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार, कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद, अनुवादक, अनुवाद प्रविधि, अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

अंक विभाजन :-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

इकाई विभाजन :-

इकाई I कामकाजी हिंदी एवं हिंदी कंप्यूटिंग

इकाई II पत्रकारिता स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, मीडिया-लेखन।

इकाई III अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

इकाई IV लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न

सदर्भ ग्रंथ :-

1. पत्रकारिता के छह दशक, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2017
2. आधुनिक पत्रकारिता का वृहद इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1997
3. पटकथा तथा संवाद लेखन, विपुल कुमार, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2018
4. समाचार, फीचर लेखन तथा संपादन कला, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1999
5. मीडिया की बदलती भाषा, डॉ. अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
6. रेडियो लेखन, राजेंद्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 2009
7. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन, डॉ०राजेंद्र मिश्र, ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन,दिल्ली, 2012
8. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला, डॉ० रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 2008

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

एम. ए. अंतिम (हिंदी)
प्रश्नपत्र - नवम
भारतीय साहित्य
(पेपर कोड 0321)

प्रस्तावना :-

भारतीय भाषाओं में हिंदी भाषा और साहित्य का स्थान अन्य प्रांतीय भाषाओं की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए हिंदी साहित्याध्ययन को अधिकाधिक गंभीर तथा प्रशस्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। एक समेकित भारतीय साहित्य की रूपरचना के लिए हिंदी का भारतीय संदर्भ सर्वथा प्रासंगिक है। इस दृष्टि से हिंदी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अनिवार्य है। तभी उनके ज्ञान क्षितिज एवं सांस्कृतिक दृष्टि का विकास होगा।

पाठ्यक्रम :-

प्रथम खंड

भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, भारतीयता का समाज शास्त्र; हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

द्वितीय खंड

इसके अंतर्गत हिंदीतर साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है, जो तीन वर्गों में विभाजित है

1. दक्षिणात्य भाषा वर्ग में मलयालम
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग में बंगला
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी

निर्देश - प्रत्येक विद्यार्थी इन तीन विकल्पों में से एक भाषा का चयन करेगा, बशर्ते वह भाषा उसकी अपनी क्षेत्रीय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से संबंधित हो। विद्यार्थी एक भाषा-वर्ग (मलयालम / बंगाली /मराठी) में से किसी एक के साहित्य के इतिहास का अध्ययन करेगा।

तृतीय खंड

इस खंड के अंतर्गत तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है। इसमें द्वितीय खंड में निर्धारित किसी एक हिंदीतर भाषा साहित्य के साथ हिंदी को जोड़कर अध्ययन करना होगा।

चतुर्थ खंड

इस खंड के अंतर्गत एक उपन्यास, एक कविता संग्रह, एक नाटक का आलोचनात्मक अध्ययन किया जाएगा। प्रश्न आलोचनात्मक पूछे जाएँगे।

उपन्यास - अग्निगर्भ (बंगला)- महाश्वेता देवी

कविता संग्रह - कोच्चि के दरख़्त (मलयालम)- के. जी. शंकरपिल्लै

नाटक - हयवदन (कन्नड़)- गिरीश कर्नाड

17-05-25

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

अंक विभाजन :-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

इकाई विभाजन :-

इकाई I प्रथम खंड

इकाई II द्वितीय खंड एवं तृतीय खंड

इकाई III चतुर्थ खंड

इकाई IV लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न

सदर्भ ग्रंथ :-

1. हिंदी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2020
2. मलयालम साहित्य-परख और पहचान, प्रो. आर. सुरेन्द्रन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2003
3. हिन्दी और मलयालम तुलनात्मक साहित्य, प्रो. पी.जी. शशिकला, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023
4. हिन्दी और बांग्ला साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ, एस.सी. भट्टाचार्य, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2005
5. हिंदी और बंगला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, निवेदिता बनर्जी, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1994
6. भारतीय साहित्य, डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023
7. भारतीय साहित्य रत्नमाला, सं. कृष्णदयाल, भार्गव, राकेश प्रेस, दिल्ली, 1970
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ ,डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, 1957

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

एम. ए. अंतिम (हिंदी)
प्रश्नपत्र - दशम
पत्रकारिता प्रशिक्षण
(पेपर कोड 0322)

प्रस्तावना -

पत्रकारिता सिमटते विश्व में स्नायु-तंतुओं के समान काम कर रही है। समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। पुनर्जागरण, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व, नारी तथा दलित जागरण में इसकी क्रांतिकारी भूमिका रही है। पत्रकारिता प्रशिक्षण से छात्र समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, एंकरिंग, फोटो पत्रकारिता आदि में दक्ष बनते हैं, जिससे उन्हें मीडिया हाउस, डिजिटल प्लेटफॉर्म और जनसंपर्क क्षेत्रों में रोजगार मिलता है। अतः इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता बन जाती है।

पाठ्यक्रम :-

भाग - 1 पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, भारत में पत्रकारिता का आरंभ, हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।

भाग - 2 संपादन कला के सामान्य सिद्धांत, शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया , समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता, समाचार के विभिन्न स्रोत, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति, पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय, फीचर, रिपोतार्ज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।

भाग - 3 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता, रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता, प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट, पत्रकारिता का प्रबंधन, प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।

भाग - 4 भारतीय संविधान, सूचनाधिकारी एवं मानवाधिकार, मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक-संपर्क तथा विज्ञापन, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस-संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता, प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व, छत्तीसगढ़ के प्रासंगिक समाचार पत्र

अंक विभाजन :-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

17-05-25 17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

इकाई विभाजन :-

इकाई I - भाग - 1 भाग - 2

इकाई II - भाग - 3

इकाई III - भाग - 4

इकाई IV - लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई V - संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न

सदर्भ ग्रंथ :-

1. पत्रकारिता के छह दशक, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2017
2. आधुनिक पत्रकारिता का वृहद इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, रिवली, 1997
3. पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न, कृष्ण बिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2012
4. संचार माध्यम लेखन, गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009
5. समाचार, फीचर लेखन तथा संपादन कला, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1999
6. पत्रकारिता के उत्तर आधुनिक चरण, कृपाशंकर चौबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2003
7. मीडिया की बदलती भाषा, डॉ. अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
8. साहित्यिक पत्रकारिता, ज्योतिष ज्योति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2018
9. पत्रकारिता एवं विकास संचार, प्रो. अनिल कुमार उपाध्याय,भारती प्रकाशन, दिल्ली, 2019
10. भारतीय प्रेस कानून और आचार संहिता, शशि प्रकाश राय, पुष्पांजलि प्रकाशन, दिल्ली, 2016

17-05-25

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव

अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय

रायपुर (छ.ग.)

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

एम.ए. (अंतिम) हिन्दी
(वार्षिक प्रणाली पाठ्यक्रम)

सत्र् 2025-26

एम.ए.अंतिम (हिंदी)
(2025 - 2026)

एम.ए. हिंदी द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत एम. ए. अंतिम में पांच प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, साहित्यालोचन, भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा, प्रयोजनमूलक हिंदी, भारतीय साहित्य, पत्रकारिता प्रशिक्षण का अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है। अतः विद्यार्थियों को युगानुरूप हिंदी के विविध व्यावसायिक रूपों का भी अध्ययन करना होगा। इन सभी विषयों के अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा, साहित्य और संचार के विभिन्न पहलुओं में दक्ष बनाना है जिससे वे शिक्षण, शोध, अनुवाद, मीडिया, प्रशासन और लेखन आदि क्षेत्रों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

एम.ए. अंतिम (हिंदी) में निम्नलिखित प्रश्न पत्र होंगे :-

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक	पेपर कोड
1	षष्ठ	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	100	0318
2	सप्तम	भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा	100	0319
3	अष्टम	प्रयोजनमूलक हिंदी	100	0320
4	नवम्	भारतीय साहित्य	100	0321
5	दशम	पत्रकारिता प्रशिक्षण	100	0322

17-05-25

17-5-2025

17/05/25

17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

एम.ए. अंतिम (हिंदी)
प्रश्नपत्र - षष्ठ
काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
(पेपर कोड 0318)

प्रस्तावना :-

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इनसे साहित्यिक समझ विकसित होती है, नई दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और जाँचने-परखने के लिए भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र तथा हिंदी के निजी साहित्यालोचन का अध्ययन समीचीन है।

पाठ्यविषय :-

इकाई I संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य-लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य की आत्मा।
रस-सिद्धांत : रस के अंग, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।
अलंकार सिद्धांत मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण।
रीति सिद्धांत रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
वक्रोक्ति-सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
ध्वनि-सिद्धांत: ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ औचित्य के भेद

इकाई II पाश्चात्य काव्यशास्त्र : प्लेटो: काव्य सिद्धांत।
अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत।
लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
मैथ्यू ऑर्नल्ड आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य , कला की अवधारणा।
आई.ए. रिचर्ड्स रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।
कॉलरिज: कल्पना सिद्धांत।
टी. एस. इलियट कला की निर्वैयक्तिकता।

इकाई III (क) हिंदी कवि, आचार्यों और समालोचकों का काव्यशास्त्रीय चिंतन, लक्षण, काव्य परंपरा एवं काव्य शिक्षा- (1) केशवदास (2) देव (3) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (4) नंददुलारे वाजपेयी (5) डॉ. रामविलास शर्मा

17-05-25
डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

(ख) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ शास्त्रीय, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक।

(ग) समकालीन हिंदी समालोचना, शिवदान सिंह चौहान, रामस्वरूप चतुर्वेदी, कृष्णदत्त पालीवाल, डॉ. नगेन्द्र।

इकाई IV सिद्धांत और वाद- अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद। नयी समीक्षा, मिथक, फन्तासी, कल्पना, बिंब एवं प्रतीक योजना।

इकाई विभाजन :-

इकाई I संस्कृत काव्यशास्त्र

इकाई II पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई III हिंदी कवि, आचार्यों और समालोचकों का काव्यशास्त्रीय चिंतन, लक्षण काव्य परंपरा, हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, समकालीन हिंदी समालोचना, सिद्धांत और वाद

इकाई IV लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न

अंक विभाजन :-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन,दिल्ली, 2024
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, इतिहास, सिद्धांत और वाद, डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2018
3. भारतीय काव्य शास्त्र के नये क्षितिज, डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,1985
4. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका, डॉ. नगेन्द्र, ओरिएण्टल बुक डिपो, दिल्ली, 1905
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, डॉ. निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1990
6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2018
7. नयी समीक्षा, अमृतराय, हिन्दुस्तानी पब्लिशिंग हाउस, बनारस, 1950
8. नयी समीक्षा, नये संदर्भ, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 1974
9. साहित्य सिद्धांत, डॉ. रामअवध द्विवेदी, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद, पटना 1963
10. आलोचना से आगे, सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2019
11. हिन्दी आलोचना के नए सरोकार, कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2002

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025

17/05/25

17/5/25

एम. ए. अंतिम (हिंदी)
प्रश्नपत्र - सप्तम
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा
(पेपर कोड 0319)

प्रस्तावना :-

साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है।भाषा-विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर इनके अंतः संबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। मूल भाषा व्यवस्था पर आरोपित द्वितीय साहित्यिक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति प्राचीन भारतीय एवं अधुनातन पाश्चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से लक्षणीय है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येत्तर, प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषावैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्वपूर्ण है। भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास क्रम, भौगोलिक विस्तार, स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है।

पाठ्य-विषय :-

(क) भाषा विज्ञान

1. भाषा और भाषाविज्ञान- भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक प्रकार्य, भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
2. स्वनप्रक्रिया- स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, स्वनों का वर्गीकरण, स्वनिम परिवर्तन।
3. व्याकरण- रूपविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद- मुक्त, आबद्ध और संबंधदर्शी रूपिम, प्रकार्य । वाक्य अवधारणा, वाक्य भेद, वाक्य विश्लेषण।
4. अर्थविज्ञान- अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ संबंध, अर्थ-परिवर्तन।

(ख) हिंदी भाषा

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ- वैदिक और लौकिक संस्कृत एवं उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश एवं उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्यभाषा समूह और उनका वर्गीकरण।
2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी, पहाड़ी, और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।
3. हिंदी का भाषिक स्वरूप- हिंदी शब्द रचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना, लिंग, वचन और कारक

17-05-25

17/05/25 17-5-2025 17/5/25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी की संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप। हिंदी काव्य रचना-पदक्रम और अन्विति।

4. हिंदी के विविध रूप - संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम-भाषा, संचार भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति।
5. हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ - आंकड़ा संसाधन और शब्द संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा शिक्षण।
6. देवनागरी लिपि- विशेषताएँ और मानकीकरण।

इकाई विभाजन :-

इकाई I भाषा और भाषाविज्ञान, स्वन-प्रक्रिया, व्याकरण, अर्थविज्ञान।

इकाई II हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी का भाषिक स्वरूप।

इकाई III हिंदी के विविध रूप, हिंदी में कम्प्यूटर सुविधाएँ, देवनागरी लिपि।

इकाई IV लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न

अंक विभाजन :-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद, 2018
2. भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा और लिपि, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 2024
3. आधुनिक भाषा विज्ञान, कृपाशंकर सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1977
4. भाषा, साहित्य और इतिहास का पुनर्पाठ, राजेंद्र प्रसाद सिंह, सम्यक प्रकाशन, दिल्ली, 2021
5. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली 2024
6. भाषा : संवेदना और सर्जन, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, 2024
7. हिन्दी कम्प्यूटिंग, डॉ० राम गोपाल सिंह जादौन, आकाश पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, गाजियाबाद, 2017
8. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2011
9. हिन्दी भाषा के विविध रूप, डॉ. पी. लता, लोकभारती प्रकाशन , दिल्ली, 2015
10. हिन्दी भाषा का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2020
11. हिंदी और उसकी विविध बोलियाँ, प्रो. दीपचंद जैन, डॉ.कैलाश तिवारी, मध्य प्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 2011

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025

17/05/25

17/5/25

एम. ए. अंतिम (हिंदी)
प्रश्नपत्र - अष्टम
प्रयोजनमूलक हिंदी
(पेपर कोड 0320)

प्रस्तावना:-

भाषा मानव जीवन की अनिवार्य सामाजिक वस्तु और व्यावहारिक चेतना है। जिसके दो मुख्य आयाम या प्रकार्य हैं। सौन्दर्यपरक और प्रयोजनपरक भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से है, और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस-टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होती है। उत्तर आधुनिक काल में जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली प्रयोजनपरक हिंदी का अध्ययन अपेक्षित है। इसके विविध आयामों से न केवल रोजगार या जीविका की समस्याएँ हल होंगी अपितु राष्ट्र भाषा तथा राजभाषा का संस्कार भी दृढ़ होगा।

पाठ्यक्रम :-

इकाई I कामकाजी हिंदी एवं हिंदी कंप्यूटिंग

- हिंदी के विभिन्न रूप- सर्जनात्मक भाषा, संचार-भाषा, राजभाषा, माध्यम-भाषा, मातृभाषा। कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य, प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।
- पारिभाषिक शब्दावली- स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत। ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द)
- कम्प्यूटर परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय। इंटरनेट संपर्क मितव्ययिता के सूत्र, उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट समय
- वेब-पब्लिशिंग। लिंक, ब्राउजिंग, ई-मेल भेजना प्राप्त करना, हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग हिंदी साफ्टवेयर पैकेज।

इकाई II पत्रकारिता स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।

- हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व। प्रूफ शोधन सिद्धांत और व्यवहार शीर्षक की संरचना, लीड इंट्रो एवं शीर्षक संपादन, संपादकीय लेखन, पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
- प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

इकाई III मीडिया-लेखन

-जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप-मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट।

-श्रव्य माध्यम (रेडियो), मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन,फीचर एवं रिपोतार्ज।

-दृश्य-श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य-सामग्री का सामंजस्य। पार्श्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन-टेली ड्रामा / डाक्यूमेन्ट्री ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य की

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17-5-2025 17/05/25 17/5/25

विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा, इंटरनेट सामग्री-सृजन (Contect Creation)

इकाई IV अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र प्रक्रिया एवं प्रविधि, हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद, जनसंचार माध्यमों का अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद, वैचारिक साहित्य का अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद, विधि-साहित्य की हिंदी और अनुवाद, व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास। कार्यालयीन अनुवाद, कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि प्रशासनिक पत्रों के अनुवाद, पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद, बैंक-साहित्य एवं विधि- साहित्य के अनुवाद का अभ्यास, साहित्यिक अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार, कविता, कहानी, नाटक, सारानुवाद, अनुवादक, अनुवाद प्रविधि, अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

इकाई विभाजन :-

इकाई I   कामकाजी हिंदी एवं हिंदी कंप्यूटिंग

इकाई II   पत्रकारिता स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, मीडिया-लेखन।

इकाई III अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

इकाई IV   लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई V   संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न

अंक विभाजन :-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. पत्रकारिता के छह दशक, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2017
2. आधुनिक पत्रकारिता का वृहद इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1997
3. पटकथा तथा संवाद लेखन, विपुल कुमार, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2018
4. समाचार, फीचर लेखन तथा संपादन कला, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1999
5. मीडिया की बदलती भाषा, डॉ. अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
6. रेडियो लेखन, राजेंद्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 2009
7. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन, डॉ०राजेंद्र मिश्र, ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन,दिल्ली, 2012
8. विज्ञापन व्यवसाय एवं कला, डॉ० रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली, 2008

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17/05/25 17-5-2025 17/5/25

एम. ए. अंतिम (हिंदी)
प्रश्नपत्र - नवम
भारतीय साहित्य
(पेपर कोड 0321)

प्रस्तावना :-

भारतीय भाषाओं में हिंदी भाषा और साहित्य का स्थान अन्य प्रांतीय भाषाओं की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए हिंदी साहित्याध्ययन को अधिकाधिक गंभीर तथा प्रशस्त बनाना अत्यंत आवश्यक है। एक समेकित भारतीय साहित्य की रूपरचना के लिए हिंदी का भारतीय संदर्भ सर्वथा प्रासंगिक है। इस दृष्टि से हिंदी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अनिवार्य है। तभी उनके ज्ञान क्षितिज एवं सांस्कृतिक दृष्टि का विकास होगा। यही नहीं, इससे हिंदी अध्ययन का अंतरंग विस्तार भी होगा।

पाठ्य-विषय :-

प्रथम खंड

भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंम्ब, भारतीयता का समाज शास्त्र, हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

द्वितीय खंड

इसके अंतर्गत हिंदीतर साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है, जो तीन वर्गों में विभाजित है

1. दक्षिणात्य भाषा वर्ग में मलयालम
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग में बंगला
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी

निर्देश - प्रत्येक विद्यार्थी इन तीन विकल्पों में से एक भाषा का चयन करेगा, बशर्ते वह भाषा उसकी अपनी क्षेत्रीय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से संबंधित हो। विद्यार्थी एक भाषा-वर्ग (मलयालम / बंगाली /मराठी) में से किसी एक के साहित्य के इतिहास का अध्ययन करेगा।

तृतीय खंड

इस खंड के अंतर्गत तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है। इसमें द्वितीय खंड में निर्धारित किसी एक हिंदीतर भाषा साहित्य के साथ हिंदी को जोड़कर अध्ययन करना होगा।

चतुर्थ खंड

इस खंड के अंतर्गत एक उपन्यास, एक कविता संग्रह, एक नाटक का आलोचनात्मक अध्ययन किया जाएगा। प्रश्न आलोचनात्मक पूछे जाएँगे।

उपन्यास - अग्निगर्भ (बंगला)- महाश्वेता देवी

कविता संग्रह - कोच्चि के दरख़्त (मलयालम)- के. जी. शंकरपिल्लै

नाटक - हयवदन (कन्नड़)- गिरीश कर्नाड

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष – हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17/05/25 17-5-2025 17/5/25

इकाई विभाजन :-

इकाई I प्रथम खंड

इकाई II द्वितीय खंड एवं तृतीय खंड

इकाई III चतुर्थ खंड

इकाई IV लघुत्तरीय प्रश्न

इकाई V संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न

अंक विभाजन :-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. हिंदी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2020
2. मलयालम साहित्य-परख और पहचान, प्रो. आर. सुरेन्द्रन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2003
3. हिन्दी और मलयालम तुलनात्मक साहित्य, प्रो. पी.जी. शशिकला, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023
4. हिन्दी और बांग्ला साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ, एस.सी. भट्टाचार्य, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2005
5. हिंदी और बंगला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन, निवेदिता बनर्जी, साहित्य अकादमी, दिल्ली, 1994
6. भारतीय साहित्य, डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2023
7. भारतीय साहित्य रत्नमाला, सं. कृष्णदयाल, भार्गव, राकेश प्रेस, दिल्ली, 1970
8. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ ,डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, 1957

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव

अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय

रायपुर (छ.ग.)

17/05/25 17-5-2025 17/5/25

एम. ए. अंतिम (हिंदी)
प्रश्नपत्र - दशम
पत्रकारिता प्रशिक्षण
(पेपर कोड 0322)

प्रस्तावना -

पत्रकारिता सिमटते विश्व में स्नायु-तंतुओं के समान काम कर रही है। समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। पुनर्जागरण, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व, नारी तथा दलित जागरण में इसकी क्रांतिकारी भूमिका रही है। पत्रकारिता प्रशिक्षण से छात्र समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, एंकरिंग, फोटो पत्रकारिता आदि में दक्ष बनते हैं, जिससे उन्हें मीडिया हाउस, डिजिटल प्लेटफॉर्म और जनसंपर्क क्षेत्रों में रोजगार मिलता है। अतः इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता बन जाती है।

पाठ्यक्रम :-

भाग - 1 पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, भारत में पत्रकारिता का आरंभ, हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।

भाग - 2 संपादन कला के सामान्य सिद्धांत, शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया , समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता, समाचार के विभिन्न स्रोत, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति, पत्रकारिता से संबंधित लेखन-संपादकीय, फीचर, रिपोतार्ज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि।

भाग - 3 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता, रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता, प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट, पत्रकारिता का प्रबंधन, प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था।

भाग - 4 भारतीय संविधान, सूचनाधिकारी एवं मानवाधिकार, मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक-संपर्क तथा विज्ञापन, प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रेस-संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता, प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व, छत्तीसगढ़ के प्रासंगिक समाचार पत्र

इकाई विभाजन :-

इकाई I - भाग - 1 भाग - 2
इकाई II - भाग - 3
इकाई III - भाग - 4
इकाई IV - लघुत्तरीय प्रश्न
इकाई V - संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17/05/25 17-5-2025 17/5/25

अंक विभाजन :-

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20 X 1	20 अंक
		कुल 100 अंक

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. पत्रकारिता के छह दशक, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2017
2. आधुनिक पत्रकारिता का वृहद इतिहास, अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, रिवली, 1997
3. पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न, कृष्ण बिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2012
4. संचार माध्यम लेखन, गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009
5. समाचार, फीचर लेखन तथा संपादन कला, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1999
6. पत्रकारिता के उत्तर आधुनिक चरण, कृपाशंकर चौबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2003
7. मीडिया की बदलती भाषा, डॉ. अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
8. साहित्यिक पत्रकारिता, ज्योतिष ज्योति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2018
9. पत्रकारिता एवं विकास संचार, प्रो. अनिल कुमार उपाध्याय, भारती प्रकाशन, दिल्ली, 2019
10. भारतीय प्रेस कानून और आचार संहिता, शशि प्रकाश राय, पुष्पांजलि प्रकाशन, दिल्ली, 2016

17-05-25

डॉ. कविता वैष्णव
अध्यक्ष - हिन्दी अध्ययन मंडल
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर (छ.ग.)

17/05/25 17-5-2025 17/5/25